उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह सितम्बर, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2017 तक)

दुरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 10 सितम्बर, 2017 को पौड़ी जिले की चाकीसैंण तहसील के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में हिमालय दिवस के उपलक्ष्य में मेरा प्यारा हिमालय विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय प्राथमिक विद्यालय चाकीसैंण से 16 छात्रों द्वारा, श्री गुरू परमानन्द पब्लिक स्कूल चाकीसैंण से 50 छात्र-छात्राओं द्वारा, राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैंण से 100 छात्र-छात्राओं द्वारा, जनता जूनियर हाईस्कूल जाख से 25 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानों पर आये छात्रों को दिनांक 15 सितम्बर, 2017 को राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैंण में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित **'मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में नवाचार तकनीकी के अनुप्रयोग'** विषय पर आयोजित कार्यशाला में सम्मानित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन स्थानीय विधायक एवं उततराखण्ड राज्य के उच्च शिक्षामंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी द्वारा किया गया।

कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज, चाकीसैंण के प्रधानाचार्य श्री राम दयाल सिंह रावत द्वारा उच्च शिक्षामंत्री डॉ0 धन सिंह रावत को पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन किया गया। कार्यशाला के संयोजक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत को शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में अभिभावक अध्यापक एसासिएशन के अध्यक्ष श्री विजय रोथाण द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों एवं स्थानीय जनसमूह का स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में श्री रोथाण ने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा यह एक बहुत अच्छी पहल की गयी है जिससे दुर्गम क्षेत्रों में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, उससे क्षेत्र के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्राप्त होगें तथा नई तकनीकियों का ज्ञान भी प्राप्त होगा। राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैंण के प्रधानाचार्य श्री राम दयाल सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस क्षेत्र के समस्त इंटर कक्षा उत्तीर्ण छात्र एवं अधिकांशत: छात्रायें अपनी स्थानीय भौगोलिक परिस्तिथियों के कारण उच्च शिक्षा में प्रवेश नहीं ले पाते, किन्तु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से छात्र एवं छात्रायें दूरस्थ माध्यम में प्रवेश ले कर अपनी शिक्षा पूर्ण कर सकते हैं।

कार्यशाला के संयोजक डॉ0 सिद्धार्थ पोखरियाल ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों को बताया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी राज्य सरकार द्वारा स्थापित सरकारी विश्वविद्यालय है। जिसका उद्देश्य मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम से लोगों तक शिक्षा पहुँचाना है, जिससे वे अपनी अधूरी शिक्षा पूर्ण कर सकते है। वर्तमान में उच्च शिक्षा की प्राप्ति का साधन अब केवल पाठ्य पुस्तकें ही नहीं रह गयी हैं बल्कि सूचना क्रान्ति के इस वातावरण में ई-लर्निंग, वेब लर्निंग, मोबाईल लर्निंग ने ले ली है। विद्यार्थी अब घर बैठे ही इंटरनेट के माध्यम से सूचनाओं के माध्यम से अपनी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर उसका लाभ ले सकता है।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षामंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी ने स्थानीय जनसमूह एवं प्रतिभागियों को संबाधित करते हुए कहा कि हिमालय केवल एक बर्फ का पहाड़ नहीं है अपितु अपने आप में एक संस्कृति, एक संस्कार है जिसकी रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानों पर आये छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

आगे अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त करना सबका अधिकार है और उनकी प्राथमिकता रहती है कि शिक्षा में सुधार हो। उच्च शिक्षा में उनके अधीन उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक मात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जहाँ प्रवेश सुगमता से लया जा सकता है और विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को अध्ययन हेतु पुस्तकें प्रदान की जाती है। विभिन्न तकतीकियों के प्रयोग से

विद्यार्थी घर बैठे ही अपनी शिक्षा पूर्ण कर सकता है। संचार माध्यमों से विद्यार्थी अपने शिक्षक के संपर्क में रहकर अपनी शैक्षिक समस्याओं का निवारण करता है। दुर्गम क्षेत्रों के विद्यार्थी जहॉ परंपरागत शिक्षा के कॉलेज या विश्वविद्यालय नहीं है वहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण कर सकते हैं।

मुख्य अतिथि माननीय उच्च शिक्षामंत्री डॉ धन सिंह रावत जी अपने संबोधन में कहा कि पूर्व में उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वाविद्यालय से गाँवों को डिजिटल गाँव बनाने की बात कही थी इस संदर्भ में उन्होंने नौ गाँव (पौड़ी) को डिजिटल गाँव के साथ-साथ डिजिटल साक्षर भी बनाने की घोषणा की।

स्वच्छता पखवाड़ा

दिनांक 01 सितंबर से दिनांक 15 सितंबर तक

स्वच्छ भारत अभियान देश की 4,041 वैधानिक शहरों और कस्बों की सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया एक अभियान है। यह अभियान आधिकारिक तौर पर 2 अक्टूबर 2014 को राजघाट, नई दिल्ली में हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। यह सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे महत्वपूर्ण सफाई अभियानों में से एक है। इस

सबसे बड़ी सफाई अभियान में, 3 मिलियन से अधिक सरकारी कर्मचारी हिस्सा लेते हैं। अभियान का उद्देश्य 2 अक्टूबर 2019 तक क्लीन विज़न को स्थापित प्राप्त करना है।यू जी सी द्वारा अपेक्षित, हमारे माननीय कुलपति जी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने 1 से 15 सितंबर, 2017 तक "स्वच्छता पाखवाड़ा" का आयोजन किया।

स्वच्छता पखवाड़ा: चाकीसैंण, पौड़ी

इसके अतिरिक्त दिनांक 10 सितम्बर, 2017 को पौड़ी जिले की चाकीसैंण तहसील में आयोजित कार्यशाला में स्वच्छता पखवाड़े के तहत चाकीसैंण तहसील के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कूड़े की सफाई हेतु कूड़ेदान माननीय उच्च शिक्षामंत्री डॉ0 धन सिंह रावत एवं उपजिलाधिकारी श्री कमलेश मेहता जी द्वारा वितरित किये गये।

कार्यशाला में लगभग 350 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला के समापन पर संयोजक डॉ0 सिद्धार्थ पोखरियाल ने सभी उपस्थित अथितियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के समापन पर मुख्य अतिथि माननीय उच्च शिक्षामंत्री डॉ0 धन सिंह रावत, उपजिलाधिकारी श्री कमलेश मेहता, अभिभावक अध्यापक एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री विजय रोथाण,

पूर्व ब्लॉक प्रमुख शंकर सिंह रावत जी व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री शेखर रावत जी एवं उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता अभियान चला कर सफाई की गयी।

स्वच्छता पखवाड़ा: उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

स्वच्छता पाखवाड़ा में, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के 80 से अधिक छात्र और कर्मचारी/अध्यापक सदस्यों ने में भाग लिया।

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम

- विश्वविद्यालय परिसर में कूड़ेदान की स्थापना।
- स्वच्छता पर जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर बैनर लगाना |
- स्वच्छता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन |
- स्वच्छता विषय पर छात्रों द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति |
- विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए क्लीन रूम प्रतियोगिता का आयोजन।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व पर भाषण का आयोजन |
- विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो आर.सी. मिश्र द्वारा मुख्य व्याख्यान।

- छात्रों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा बड़े पैमाने पर स्वच्छता प्रतिज्ञा |
- छात्र सहभागियों द्वारा वृक्षारोपण |
- परिसर में कैंपस की सफाई अभियान |
- समापन समारोह |

कार्यक्रम का उद्देश्य

1. उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों को स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व पर ध्यान देने हेतु जागरूक और शिक्षित करना।
2. विभिन्न प्रतियोगी कार्यक्रमों के माध्यम से सभी छात्रों और कर्मचारी/अध्यापक सदस्यों के लिए एक आम मंच प्रदान करना तथा कार्यक्रम में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना |

सहभागी संस्थाओं की सूची:

- चंद्रवती तिवारी महिला पीजी कॉलेज, काशीपुर
- दृष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट
- रोयल कॉलेज ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट
- एम इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्रबंध एवं प्रौद्योगिकी

समापन समारोह

स्वच्छता पाखवाड़ा के अंतिम दिन 15 सितम्बर 2017 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर आर सी मिश्र ने स्वच्छता और इसके महत्व पर एक विषय विशेषयज्ञ एवं एक प्रतिष्ठित पर्यावरणविद् के रूप में अपनी बात रखते हुए उन्होंने जलवायु परिवर्तन और स्वच्छता के संदर्भ में स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला।

उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में सूचीबद्ध संस्थाओं के 80 से अधिक आमंत्रित छात्रों एवं अध्यापको/कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया | विभिन कार्यक्रमों का मूल्यांकन आयोजित निर्णायकमंडलों द्वारा किया गया तथा विजेता संस्थाओं एवं सहभागियों को उचित पुरस्कार से विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा पुरस्कृत किया गया | स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। (संलग्नक-क)

उच्च शिक्षा का पर्वतीय क्षेत्रों में प्रसार

- विश्वविद्यालय द्वारा 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' के अन्तर्गत राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर तथा विभिन्न दुर्गम स्थानों पर प्रचार-प्रसार किया गया तथा छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया गया। कुमाँऊ तथा गढ़वाल क्षेत्र के विभिन्न अध्ययन केन्द्रों में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा की जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसके फलस्वरूप माह जुलाई, अगस्त तथा सितम्बर, 2017 तक विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-2018 में पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित 05 क्षेत्रीय केन्द्रों पौड़ी, उत्तरकाशी, रानीखेत, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में प्रवेशार्थियों का विवरण निम्नलिखित है-

स्थान	जुलाई	अगस्त	सितंबर
पौड़ी	287	936	1032
उत्तरकाशी	137	1355	1637
पिथौरागढ़	99	523	806
रानीखेत	203	583	776
बागेश्वर	77	336	482
कुल	**803**	**3733**	**4733**

- दूरस्थ शिक्षा के प्रचार-प्रसार को लेकर परिसर द्वारा गढ़वाल क्षेत्र के उत्तरकाशी और टिहरी जनपद को जोड़ने हेतु सोशल मीडिया- 'फेस बुक' एवं 'व्हाट्स एप' में एक ग्रुप 'यू0ओ0यू0 प्रचार-प्रसार, उत्तरकाशी-टिहरी के नाम से बनाया गया जिसमें इस परिक्षेत्र के लगभग 50 छात्र-छात्राओं को जोड़ा जा चुका है व जनमानस को दूरस्थ शिक्षा के सम्बन्ध में निरंतर जानकारी प्रदान की जा रही हैं।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक 1 से 07 सितंबर, 2017

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1-7 सितम्बर, 2017 को "राष्ट्रीय पोषण सप्ताह" मनाया गया। स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा अच्छी सेहत को बढ़ावा देने में उचित पोषण के महत्व तथा संतुलित आहार के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए, प्रति वर्ष 1 से 7 सितंबर के मध्य खाद्य

और पोषण बोर्ड, महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष इसे एक विशिष्ट विषय को ध्यान में रखकर मनाया जाता है और इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय था; ‘‘इष्टतम शिशु एवं बाल आहार प्रथाएं’’।

इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया जिसमें विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सप्ताह के प्रतिदिन विश्वविद्यालय के रेडियो चैनल ‘‘हैलो हल्द्वानी’’ के माध्यम से विभाग द्वारा रिकॉर्ड किए गए खाद्य एवं पोषण पर व्याख्यान तथा चर्चाओं को प्रसारित किया गया। इन चर्चाओं का केंद्र मूलत: बाल आहार तथा पोषण एवं महिलाओं तथा किशोरियों के उचित खानपान पर था। साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की भी जानकारी रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से दी गई।

सितम्बर, 2017 को विभाग द्वारा ‘‘स्वस्थ पोषण-स्वस्थ जीवन’’ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला इस पोषण सप्ताह में शैक्षणिक अभियान का एक हिस्सा थी। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों तथा पोषण के क्षेत्र में व्यवसायिक रूप से कार्य कर रहे लोगों को पोषण के विभिन्न पहलुओं के बारे में आसान जानकारी प्रदान करना था ताकि वे एक स्वस्थ और सार्थक जीवन यापन कर सकें। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की सतत शिक्षा विद्याशाखा की पोषण विज्ञान की प्रोफेसर दीक्षा कपूर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थीं। इसके अतिरिक्त कुमाऊँ विश्वविद्यालय के डी0एस0बी0 कैम्पस, नैनीताल की गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लता पाण्डे तथा गुड़गाँव से आहार विशेषज्ञ प्रेरणा पाल भी उपस्थित थीं। माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का संचालन गृह विज्ञान विभाग की अकादमिक परामर्शदाता डॉ0 प्रीति बोरा द्वारा किया गया।

प्रोफेसर दीक्षा कपूर द्वारा ‘‘दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पोषण संबंधी ज्ञान और पोषण जागरूकता पैदा करना’’ विषय पर बीज व्याख्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि कैसे हम दूरस्थ शिक्षा द्वारा जन-जन तक आहार एवं पोषण सम्बंधी जानकारी पहुँचा सकते हैं। उन्होंने इग्नू में संचालित पोषण पाठ्यक्रमों की भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने ‘‘पोषण एवं आहार संतुलन’’ पर भी जानकारी दी। उन्होंने आहार में विद्यमान विभिन्न पोषक तत्वों के बारे में बताया तथा यह भी जानकारी दी कि कैसे हमें खाद्य चुनाव

करना चाहिए जिससे उचित पोषण की प्राप्ति हो। प्रोफेसर दीक्षा कपूर ने पैक्ड खाद्य पदार्थों में अंकित खाद्य सम्बंधी जानकारी के महत्व के विषय में भी चर्चा की।

प्रोफेसर लता पाण्डे द्वारा ''पोषण की चिकित्सीय भूमिका'' पर व्याख्यान दिया गया। विभिन्न रोगों जैसे मधुमेह, हृदय रोग, अल्सर, किडनी तथा लीवर सम्बंधी रोगों आदि पर आहारीय नियोजन पर जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को आहार नियोजन के विभिन्न चरणों तथा विभिन्न व्यक्तियों के लिए आहार नियोजन करना भी सिखाया गया। आहार विशेषज्ञ प्रेरणा पाल द्वारा ''तनाव एवं खाद्य एलर्जी में पोषण'' पर जानकारी दी गई। उनके द्वारा वर्तमान जीवनशैली के कारण होने वाले मानसिक तनावों के कारणों तथा इसे कम करने हेतु पोषण सम्बंधी उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंत में अकादमिक परामर्शदाता श्रीमती मोनिका द्विवेदी ने कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की। प्रतिभागियों द्वारा कार्यक्रम पर उनकी विशिष्ट टिप्पणियों को भी आमंत्रित किया गया। प्रतिभागियों की ओर से सुश्री चेतना जन्तवाल, अतिथि शिक्षक, गृह विज्ञान विभाग, नैनीताल द्वारा टिप्पणी की गई। सभी प्रतिभागियों को यह कार्यशाला काफी ज्ञानवर्धक लगी। गृह विज्ञान की इस एक दिवसीय कार्यशाला में कुल 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक भी सम्मिलित थे।

प्रोफेसर दीक्षा कपूर तथा आहार विशेषज्ञ प्रेरणा पाल द्वारा रेडियो व्याख्यान भी रिकॉर्ड किए गए। इन व्याख्यानों को समुदाय में पोषण जागरुकता के लिए विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो स्टेशन ''हैलो हल्द्वानी'' के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा।

दिनांक 6 सितंबर को गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर तथा क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन दोनों प्रतियोगिताओं का विषय ''स्वस्थ पोषण-स्वस्थ जीवन'' था। पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। छात्रों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। शिक्षकों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार सुश्री ममता कुमारी (सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशात्र), द्वितीय पुरस्कार सुश्री रुचि आर्या (अकादमिक परामर्शदाता, टूरिज्म) तथा तृतीय पुरस्कार डॉ0 भावना पलड़िया (सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशात्र) ने अर्जित किया। शिक्षार्थियों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार सुश्री कमला वारियाल, द्वितीय पुरस्कार चेतना तथा तृतीय पुरस्कार सुश्री पूजा काण्डपाल को मिला।

आहार एवं पोषण क्विज प्रतियोगिता में कुल 15 प्रतिभागी थे जो 3-3 प्रतिभागियों के पाँच वर्गों में विभाजित थे। इस प्रतियोगिता में सभी वर्गों से आहार एवं पोषण से सम्बंधित सामान्य प्रश्न पूछे गए। क्विज प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के छात्रों तथा शिक्षकों ने संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार टीम A ने अर्जित किया जिसमें सुश्री ममता कुमारी (सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशात्र), सुश्री रुचि आर्या (अकादमिक परामर्शदाता, टूरिज्म) तथा अनिल भण्डारी (छात्र)थे। द्वितीय पुरस्कार टीम B ने अर्जित किया जिसमें डॉ0 सुमित प्रसाद (सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन), श्री राहुल बिष्ट (कार्मिक, अधिष्ठान) तथा श्री राहुल नेगी (कार्मिक, परीक्षा विभाग) थे। तृतीय पुरस्कार टीम C को मिला जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र कमला वारियाल, बबिता भट्ट तथा चेतना थे।

दोनों ही प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में डॉ0 राजेंद्र कैड़ा (अकादमिक परामर्शदाता, हिंदी) तथा डॉ0 मंजरी अग्रवाल (सहायक प्राध्यापक, प्रबंधन) थे। माननीय कुलपति जी प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा पुरस्कार अर्जित करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम से संबंधित छायाचित्र संलग्न है। **(संलग्नक- ख)**

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव मानपुर पश्चिम, हल्द्वानी में पोषण जागरुकता शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव मानपुर पश्चिम में वहाँ की ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में गाँव की महिलाओं को संतुलित पोषण एवं आहार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही उनकी आहार एवं पोषण सम्बंधी समस्याओं का भी निदान किया गया। विशेषकर बच्चों के आहार एवं पोषण पर बल दिया गया। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को विश्वविद्यालय द्वारा गाँव के युवाओं तथा अन्य लोगों के लिए कराए जा रहे नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के विषय में भी जानकारी दी गई। शिविर में चिकित्सक डॉ0 हेमंत काण्डपाल द्वारा दमा, जोड़ों के दर्द, नींद न आना, लीवर से सम्बंधित रोगों, माइग्रेन आदि व्याधियों से ग्रसित रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया तथा नि:शुल्क औषधियाँ वितरित की गई। समाज कार्य विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ0 नीरजा सिंह द्वारा ग्रामीणों को समाज कार्य में अध्ययन करने की उपयोगिता के बारे में भी बताया गया।

विश्व पर्यटन दिवस

दिनांक- 27 सितंबर, 2017

विश्व पर्यटन दिवस हर वर्ष 27 सितंबर को पुरे विश्व में मनाया जाता है। इस तिथि का एक विशेष महत्व है क्योंकि इसी दिन 1970 में यूएनडब्लूटीओ (संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन) के नियमों को अपनाया गया था | हर साल यूएनडब्लूटीओ एक विषय घोषित करता है जिसके तहत हर देश के पर्यटन उद्योग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस का इस वर्ष का

आधिकारिक विषय "सतत पर्यटन - विकास के लिए एक उपकरण" है | हर साल पर्यटन के महत्व, समाज और संस्कृति पर इसके पड़ने वाले प्रभावों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है।

विश्व पर्यटन दिवस के सार को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिनांक- 26 और 27 सितंबर 2017 को हमारे गतिशील माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव के नेतृत्व में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन करके विश्व पर्यटन दिवस मनाया। उत्सव का विषय - "सतत पर्यटन - विकास के लिए एक उपकरण" पर केंद्रित था। उत्सव के दौरान कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया | इस दौरान उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केंद्रों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ रहे छात्र-छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

उद्देश्य:

1. उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों व विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों को विश्व पर्यटन दिवस के महत्व के बारे में जागरूक एवं उन्हें शिक्षित करना |

2. विश्व पर्यटन दिवस का जश्न मनाने के लिए सभी पर्यटन शिक्षाविदों, व्यवसायियों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों को एक समान मंच प्रदान करना।
3. इस वर्ष के आधिकारिक थीम "सस्टेनेबल टूरिज्म - ए टूल फॉर डेवलपमेंट" के बारे में जानकारी और जागरूकता साझा करना।

कार्यक्रम अनुसूची

26 सितंबर, 2017

- निबंध लेखन प्रतियोगिता, सुबह 10:00 से 11:30 बजे तक, सम्मेलन हॉल, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी (नैनीताल)
- फोटोग्राफ़ी प्रतियोगिता, 1:00 पूर्वाह्न से 1:30 अपराह्न, सम्मेलन हॉल, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी (नैनीताल)
- पीपीटी प्रतियोगिता 2:30 बजे से 4:00 बजे तक, सम्मेलन हॉल, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी, हल्द्वानी (नैनीताल)

27 सितंबर, 2017

- क्विज प्रतियोगिता, सुबह 10:00 बजे से शाम 1:00 बजे तक, , सम्मेलन हॉल, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)
- बेकार की चीजों में से उत्तम चीज बनाना, 02 बजे से 3 बजे सम्मेलन हॉल, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)
- समापन सत्र 04:00 बजे से शाम 05:00 बजे, सम्मेलन हॉल, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

सहभागी संस्थाओं की सूची

- आम्रपाली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, हल्द्वानी |
- डॉ शुशीला तिवारी इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, हल्द्वानी |
- रोयालेज कॉलेज ऑफ टूरिज्म और होटल मैनेजमेंट, हल्द्वानी |
- एआईएम इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, हल्द्वानी |
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, हल्द्वानी |

- गवर्नमेंट गर्ल्स डिग्री कॉलेज, हल्द्वानी |

उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में सूचीबद्ध संस्थाओं के 100 से अधिक आमंत्रित छात्रों एवं अध्यापको ने बढ़ चढ़कर भाग लिया | कार्यक्रमों का मूल्यांकन आयोजित निर्णायकमंडलों द्वारा किया गया तथा विजेता संस्थाओं एवं सहभागियों को उचित पुरस्कार से विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव द्वारा पुरस्कृत किया गया |

समापन समारोह

कार्यक्रम के अंत में 27 सितंबर 2017 को समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमे आयोजित कार्यक्रमों के उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया | इस मौके पर, स्कूल ऑफ टूरिज्म, हॉस्पिटेलिटी और होटल मैनेजमेंट के निदेशक प्रो आर सी मिश्र ने विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। उन्होंने टिकाऊ पर्यटन और इसके विभिन्न पहलुओं के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति, प्रोफेसर नागेश्वर राव दुनिया में सामान्य रूप से और उत्तराखंड में विश्व पर्यटन दिवस का जश्न मनाने के महत्व और उभरती हुए दायित्व पर प्रकाश डाला। अंत में, उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं/कार्यक्रम के सभी विजेताओं को बधाई दी। विजेताओं को प्रमाण-पत्रों एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया | डॉ अखिलेश सिंह, कार्यक्रम समन्वयक ने विभाग द्वारा आयोजित पर्यटन उत्सव और अन्य उपलब्धियों के के बारें में विस्तारपूर्वक बताया। सहभागियों ने कार्यक्रम एवं आयोजकों की प्रशंसा की, प्राप्त लाभ एवं ज्ञान वर्धन पर चर्चा किया तथा भविष्य में आयोजन की अपेछा जाहिर की | डॉ राजेंद्र कैरा ने सत्र का संचालन किया और डॉ शशांक शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन किया | कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। **(संलग्नक-ग)**

जापानी भाषा

जापानी भाषा में सर्टिफिकेट पाठयक्रम के स्व-अध्ययन सामग्री के निर्माण के लिए इग्नू, नई दिल्ली में 20-21सितम्बर, 2017 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया | इसमें प्रो. मंजुलिका श्रीवास्तवा (इग्नू), प्रो. अंजू सहगल गुप्ता (इग्नू), डॉ. उनीता सचिदानन्द (दिल्ली

विश्वविद्यालय), डॉ मोहम्मद मोईनुद्दीन (ओसका विश्वविद्यालय, जापान), डॉ, एम. वि. लक्ष्मी (जे. एन. यू.), डॉ. जनश्रुति चंद्रा (जे. एन. यू.), डॉ. रूपा सिंह (जे. एन. यू.) व डॉ सुचित्रा अवस्थी (यू. ओ. यू.) ने प्रतिभाग किया | कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जापानी भाषा में सर्टिफिकेट पाठयक्रम के स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण मुक्त व दूरस्थ प्रणाली में किस तरह से किया जाता है, के बारे में इकाई लेखकों को अवगत कराना था | इसके लिए इस कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा इकाई लेखकों को स्व-अध्ययन सामग्री के निर्माण का व्यक्तिगत प्रशिक्षण भी दिया गया | इसके अतिरिक्त मुक्त व दूरस्थ प्रणाली स्व-अध्ययन सामग्री के निर्माण से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं व नियमों से भी इकाई लेखकों को अवगत कराया गया |

विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॅा

विश्वविद्यालय में वर्ष 2016-17 में स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र में कुल 8,067 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि प्रदान की जानी है। इसके साथ ही इन उपाधि धारकों में से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुलाधिपति जी द्वारा स्वर्ण पदक भी प्रदान किये जाने है।

उक्त के अतिरिक्त हल्द्वानी नगर के एक व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ0 प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' के द्वारा 03 स्वर्ण पदकों के प्रायोजन हेतु वांक्षित धनराशि का चेक प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकरण को विद्या परिषद की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

नवीन पाठ्यक्रम

दिनांक 28 सितम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय में आगामी शैक्षणिक सत्र से विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत निम्न नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने संस्तुति हुई है:-

क्रम सं0	विद्याशाखा का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	समयावधि
1.	व्यावसायिक अध्ययन	1.वेब डिजानिंग एवं डेवलपमैंट में प्रमाण पत्र।- 2.बैंकिंग वित्त एवं बीमा में प्रमाणपत्र।- 3.इन्डस्ट्रीयल प्रैक्टीसेस में डिप्लोमा। 4.इन्डस्ट्रीयल स्कील्स एवं प्रैक्टीसेस में प्रमाण-पत्र। 5.व्यावसायिक सॉपफ्लोर प्रैक्टीसेस में प्रमाण-पत्र। 6.व्यावसायिक स्कील्स -में प्रमाण (ऑटोमोटिव) पत्र। 7.व्यावसायिक तैयारी -में प्रमाण (ऑटोमोटिव) पत्र।	एक वर्ष :छ/ माह
2.	प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य	जी0एस0टी0 पाठ्यक्रम में डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र	एक वर्ष :छ/ माह
3.	विधि	सूचना का अधिकार पाठ्यक्रम में एकवर्षीय डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र।-	एक वर्ष :छ/ माह
4.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम में स्नातक	एक वर्ष

हिन्दी दिवस

राजभाषा हिन्दी के महत्व एवं सांवैधानिक स्थिति के दृष्टिगत हिन्दी दिवस का आयोजन समस्त सरकारी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में किया जाता रहा है। विगत वर्ष की भांति इस

वर्ष भी हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी 'हिन्दी का वर्तमान एवं भविष्य' शीर्षक से किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता इग्नू, नई दिल्ली के आाचार्य प्रोफेसर सत्यकाम थे।

प्रोफेसर सत्यकाम द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि हिन्दी एक भाषा मात्र नहीं अपितु एक संस्कृति है। इसकी विभिन्न बोलियों से इसका सम्बन्ध औपचारिक मात्र नहीं, अपितु उन्हीं बोलियों के आधार पर, उनकी ऊर्जा के साथ यह भाषा निरन्तर गतिशील है। प्रोफेसर सत्यकाम ने हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक योगदान को भी विस्तार से रेखांकित किया। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र ने कहा कि इस समय की सबसे बड़ी समस्या स्तरीयता की है। भाषा और साहित्य के प्रति हमारा विवेक लगातार कमजोर एवं कुण्ठित हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने कहा कि हिन्दी भाषा के प्रति उनका लगाव युवावस्था से ही बन चुका था। हिन्दी भाषा राष्ट्रीय बोध को धारण करने वाली भाषा है। हिन्दी के विकास का अर्थ है राष्ट्रीय संस्कृति का विकास होना। इस दृष्टि से यह हम सब का दायित्व है कि हम इसके विस्तार में अपना योग दें। अपने भाषण में आगे कुलपति महोदय ने कहा कि भाषा एक गंभीर कार्य है और यह हमसे अतिरिक्त अनुशासन की मांग करती है। उन्होंने आहवान् किया कि हम सब को हिन्दी भाषा में अपने दैनिक जीवनके कार्य करने चाहिये।

अन्त में कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 शशांक शुक्ला द्वारा किया गया तथा संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
हिन्दी दिवस, 2017
"हिन्दी की वर्तमान स्थिति एवं संभावनाएं"
15/09/2017 15:43

15/09/2017 15:02

प्रवेश

ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में दिनांक 31 सितंबर 2017 तक 28,079 विद्यार्थियों के प्रवेश फार्मों की SIS में प्रविष्टि की जा चुकी है।

ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की अद्यतन स्थिति निम्न है-

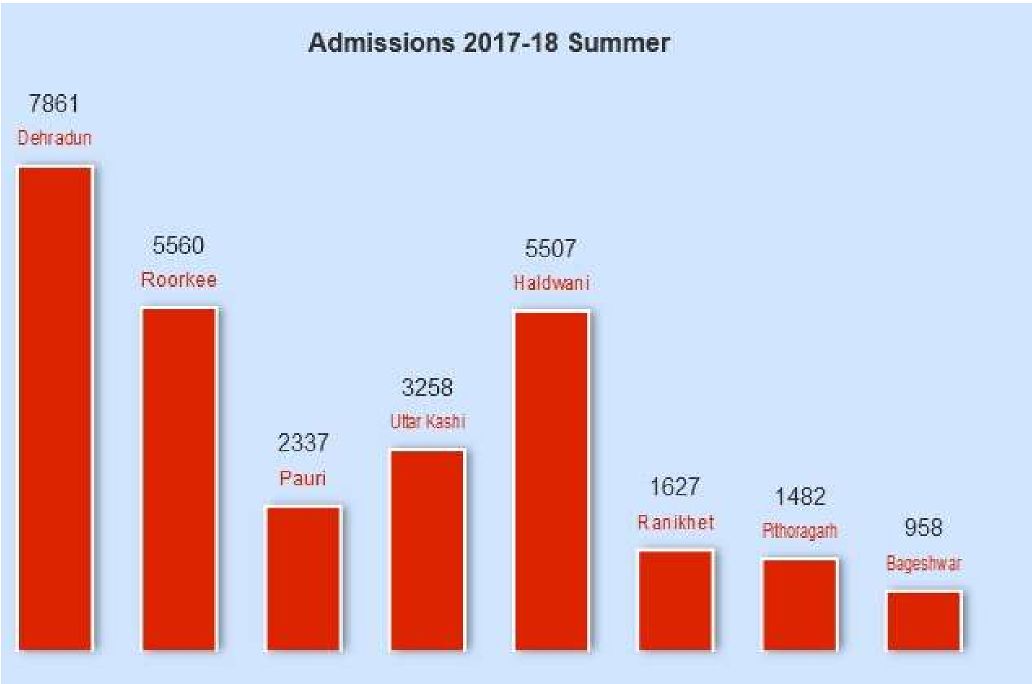

परीक्षा

- विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह दिनांक 14 नवंबर, 2017 हेतु सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची तैयार कर विद्यापरिषद/कार्यपरिषद की बैठक में प्रस्तुत किये जाने हेतु तैयार की गई।
- डिजिटल प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम व द्वितीय वर्ष की अंकतालिकाओं को विद्यार्थियों की सुविधा हेतु (डिजिटल हस्ताक्षरित) विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराई गई है। केवल अंतिम वर्ष की अंकतालिकाओं की हार्ड कॉपी ही विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जा रही है।

- विश्वविद्यालय वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा दिसम्बर 2017/जनवरी 2018 में होने वाली परीक्षा हेतु प्रशनपत्र निर्माण का कार्य किया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा-दिसम्बर 2017/जनवरी 2018 (ग्रीष्मकालीन सत्र (सेमेस्टर) 2017-18 एवं शीतकालीन सत्र (वार्षिक) 2016-17 में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों) हेतु परीक्षा फार्म एवं बैक परीक्षा आवेदन व सुधार परीक्षा आवेदन परिवर्तन, फीस समायोजन, सत्रीय कार्य, क्षेत्रीय कार्य, लघु शोध एवं परियोजना कार्य जमा करने की तिथियां घोषित की गयी।
- सितंबर माह में 355 मूल उपाधियॉ, 74 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाण पत्र व अंकतालिकाएं वाहक/डाक से प्रोषित की गई।
- सितंबर माह में एम0एड0 पाठ्यक्रम की प्रयोगात्मक परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कराई गई।

अध्ययन केन्द्रों का निरीक्षण

मुक्त व दूरस्थ शिक्षण प्रणाली में आयोजित कराये जाने वाले परामर्श सत्रों व विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली सहायता सेवाओं की गुणवत्ता के निरीक्षण हेतु निदेशक होटल प्रबंध एवं पर्यटन विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र व होटल प्रबंध पाठ्यक्रम के समन्वयक डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी द्वारा हल्द्वानी में स्थित तीन अध्ययन केन्द्रों AIM Institute of Hotel Management Goraparao, IIMT Kusumkhera तथा Dr. Shuhila Tiwari Institute of Hotel Management, Rampur Road, Haldwani का दिनांक 19-20, सितंबर, 2017 को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान इन अध्ययन केन्द्रों में आयोजित किये जाने वाले परामर्श सत्र, प्रयोगात्मक सत्र व अध्ययन केन्द्रों की सामान्य गतिविधियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान इन अध्ययन केन्द्रों में आयोजित किये जाने वाले परामर्श सत्रों प्रयोगात्मक सत्रों की स्थिति सही पाई गई।

Training Kitchen- AIM IHM, Haldwani

Counseling Session- AIM IHM, Haldwani

Computer Lab- Dr. Shusheela Tiwari IHM, Haldwani

Counseling Session- Dr. Shusheela Tiwari IHM, Haldwani

पाठ्य सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र 2017-18 में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के इकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा संपादन कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम जिसमें इतिहास, वाणिज्य, गृह विज्ञान, होटल प्रबंध, समाज शास्त्र और विज्ञान पाठ्यक्रमों की स्नातकोत्तर व स्नातक स्तर की स्व अध्ययन सामग्री मुद्रण हेतु उपलब्ध करा दी गई है।

शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस के अवसर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर पूर्व प्राचार्य डॉ0 मृगेश पाण्डेय को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ0 पाण्डेय ने कहा कि आपके जरूरत के वक्त जो सहयोग करे वह गुरू है। उन्होंने अपने जीवन में आये कई पहलुओं का वर्णन भी किया और कहा कि शिक्षक को अपने कर्तव्यों का निर्वहन हमेशा ईमानदारी से करना चाहिए।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि शिक्षक और गुरू का रिश्ता बहुत महत्वपूर्ण होता है, यह रिश्ता कभी खत्म नही होता है। प्रो. राव ने कहा कि गुरू के द्वारा दी हुई शिक्षा कभी व्यर्थ नही जाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को निःस्वार्थ भाव से अपना कार्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने कहा कि गुरू हमेशा शिष्य की बेहतरी के लिए कार्य करता है। कार्यक्रम का संचालन डा. राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। इस मौके पर कुलपति द्वारा शिक्षकों को पुस्तकें देकर सम्मानित भी किया गया।

पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 130वीं जयंती

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर देहरादून द्वारा दिनांक 10 सितंबर, 2017 को पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की 130वीं जयंती के अवसर पर **‘हिमालय बचाओ’** एवं **‘हिन्दी पखवाड़े’** विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं हिन्दी साहित्यकार डॉ0 दिवाकर भट्ट द्वारा हिमालय पर्यावरण संरक्षित एवं हिमालय संरक्षण का आह्वान किया एवं पं0 पंत द्वारा हिमालय एवं हिन्दी भाषा के संरक्षण हेतु दिये योगदान को याद किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता समाज सेवी डॉ0 कमला पंत द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को हिमालय संरक्षण की शपथ दिलायी गयी तथा हिमालय एवं हिन्दी को संरक्षित करना हमारा धर्म है। संगोष्ठी में लगभग50 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो ‘हैलो हल्द्वानी’

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्युनिटी रेडियो “हैलो हल्द्वानी” का मोबाइल एप जल्द ही गूगल पर उपलब्ध हो पायेगा। पहाड़ के हर समुदाय की आवाज हैलो हल्द्वानी बनाने का प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो में निम्नलिखत वार्तायें रिकॉर्ड की गईं –

क्रम	वार्ताकार	विषय	साक्षात्कारकर्ता	दिनांक
1	श्री प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी'	सूचना का अधिकार अधिनियम एक परिचय –	प्रोगिरिजा पाण्डे. तथा दीपांकुर जोशी	01/09/2017
2	डॉ पंकज उप्रेती .	कुमाऊँ की रामलीला	अनिल नैलवाल	19/09/2017
3	प्रो .प्रो & मेठानी .पी .बी . बिष्ट .एस .जे	सूचना का अधिकार अधिनियम	प्रो गिरिजा पाण्डे. तथा डॉभूपेन सिंह.	21/09/2017
4	रोहित जोशी	ऑनलाइन जर्नलिज़्मविकास - और प्रभाव	डॉभूपेन सिंह.	21/09/2017
5	डॉ अमृत गुरविंदर .	वैकल्पिक चिकित्सा	अनिल नैलवाल	23/09/2017
6	योग कार्यशाला के प्रतिभागी विद्यार्थी	दिवसीय योग कार्यशाला के 10 अनुभव	सुनीता भष्कर	24/09/2017
7	योग कार्यशाला के प्रतिभागी विद्यार्थी	दिवसीय योग कार्यशाला के 10 अनुभव	अनिल नैलवाल	24/09/2017
8	मोहित गाँधी	यूस्ड कैफेहल्द्वानी में होता नया - प्रयोग	डॉभूपेन सिंह.	26/09/2017
9	प्रोगिरिजा पाण्डे.	उत्तराखण्ड में पर्यटन की सम्भावनाएँ	डॉभूपेन सिंह.	27/09/2017

योग विषय की कार्यशाला

योग विभाग द्वारा फरवरी माह में योग विषय की कार्यशालायें एवं प्रयोगात्मक परीक्षा निम्नानुसार सम्पन्न की गयी –

क्रम संख्या	विषय	दिनांक	कुल प्रतिभागी
1	एम0 ए0 योग प्रथम वर्ष (MAY-17)	15 सितम्बर 2017 से 24 सितम्बर 2017 प्रयोगात्मक परीक्षा 25 सितम्बर 2017	105
2	योग विज्ञान डिप्लोमा एवं स्नातक	15 सितम्बर 2017 से 24 सितम्बर	49

	प्रथम वर्ष (DYS/BYS 1st year)	2017 प्रयोगात्मक परीक्षा 25 सितम्बर 2017	

उपर्युक्त कार्यशालाओं में देश के विविध राज्यों से आयें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विविध अध्ययन केन्द्रों के कुल 154 महिला एवं पुरूष शिक्षार्थियों ने प्रतिभागकिया।

कार्यशाला का शुभारम्भ दिनांक 15 सितम्बर 2017 को माननीय कुलपति जी एवं कुलसचिव जी ने किया । अपने उद्बोधन में कुलपति जी ने शिक्षार्थियों का स्वागत करते हुए योग के विविध दार्शनिक एवं चिकित्सकीय पहलू पर प्रकाश डाला तथा योग के समग्र लाभों से सविस्तार विद्यार्थियों को परीचित कराया । कुलसचिव जी ने गीता में योग के दार्शनिक एवं वर्तमान में गीता की उपादेयता पर प्रकाश डाला ।

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुवा। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ0 भानु जोशी के दिशानिर्देश में प्रात:काल कुल 9 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम , आसन, प्राणायाम, मुद्रा ,बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया।

सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमें योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग-अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला। जिसमें डॉ0 अमृत लाल गुरूवेंद्र , एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, निसर्गाचार्य डी0 एन0 शर्मा डॉ0 मलिक आर0 प्रताप योग विभाग राजकीय एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी, ममता पंत योग विभाग राजकीय एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी, डॉ0 नितिन ढोमने, योग विभाग राजकीय महाविद्यालय, रामनगर, डॉ0 रेखा जोशी असि0 प्रोफेसर , मनोविज्ञान विभाग , राजकीय एम0 बी0 पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी के अलावा विश्वविद्यालय के विविध प्राध्यापकों/सहायक प्राध्यापकों प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र, निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 प्रवीण तिवारी असि0 प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र , डॉ0 सीता सहायक प्रोफेसर मनोविज्ञान, डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा, हिन्दी विभाग तथा कार्यक्रम

संयोजक योग विभाग डॉ0 भानु प्रकाश जोशी ने समय –समय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। विषय विशेषज्ञों के साथ–साथ सफल संचालन हेतु 09 योग प्रशिक्षकों / सहायक योग प्रशिक्षकों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ।

अन्य गतिविधियां

- साइबर सिक्यूरिटी जागरूकता के महत्व को ध्यान में रखते हुए कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा द्वारा साइबर सिक्योरिटी के मूलतत्व पर स्टाफ प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है जो कि Moodle MOOC के अंतर्गत संचालित किया जायेगा | इस पाठयक्रम की सहायता से छात्र साइबर सिक्यूरिटी के बारे में व साइबर सिक्यूरिटी की विभिन्न तकनीकों, साइबर सिक्यूरिटी पर होने वाले हमलों तथा इनकी सुरक्षा व विभिन्न प्रकार के साइबर क्राइम आदि के बारे में जान सकेंगे |
- डॉ0 जीतेन्द्र पाण्डे व डॉ0 शालिनी सिंह द्वारा SWYAM और SWYAMPRABHA द्वारा इग्नू, नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया | इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रोफेसर उमा कांजीलाल, डॉ0 निशा सिंह, श्री प्रदीप कॉल, श्री संदीप, डॉ0 आशीष अवधिया व श्री परमेश्वरं एन आदि विशेषज्ञों ने SWYAM के MOOCs पाठ्यक्रमो का निर्माण, DTH प्रोजेक्ट व शिक्षा के लिए DTH चैनल तथा SWYAM के लिए प्रोजेक्ट प्रपोजल का निर्माण आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की | प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य SWYAM और SWYAMPRABHA व शिक्षा के लिए DTH चैनल के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्रदान करना व सभी शिक्षण संस्थायों में इसकी जागरूकता को बढ़ाना था |
- प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक, शोध एवं नवाचार की अध्यक्षता में दिनांक 05 अगस्त, 2017 को शोध छात्रों हेतु डी0आर0सी0 (विभागीय शोध समिति) एवं आर0डी0सी0 (शोध उपाधि समिति) सम्पन्न करायी गयी।
- प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, निदेशक, शोध एवं नवाचार की अध्यक्षता में दिनांक 21 अगस्त 2017 को व्यावसायिक एवं विधि अध्ययन विद्याशाखा की एवं दिनांक 16 अगस्त 2017 को इतिहास विभाग की अध्ययन बोर्ड की बैठक सम्पन्न करायी गयी।

- डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी को 18.09.2017 से 20.09.2017 तक गृह मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित तथा ICSSR द्वारा संचालित जम्मू कश्मीर से सम्बन्धित एक Mega Project में बतौर Co-Project Director के रूप में प्रस्तुति। प्रोजेक्ट अंतिम रूप से पास हो चुका है।
- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त परियोजना ई-पाठशाला में ज्योतिष गणित विषय के गृहलाघव प्रश्न पत्र के कुल 32 इकाईयों का लेखन कार्य किया।
- डॉ0 जितेन्द्र पाण्डे, सहायक प्रध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा को Commonwealth Educational Media Centre for Asia (CEMCA), नई दिल्ली द्वारा "INTEGRATED OPEN AND DISTANCE LEARNING THROUGH ICT AT UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT" विषय पर कार्य करने के लिए 22 लाख की लागत से पूरा किये जाने वाला प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है | इस प्रोजेक्ट की अवधि तीन वर्ष है |
- डॉ0 दीपक पालीवाल, सहायक प्राध्यापक के शोध छात्र, श्री दीपक चन्द्र (नामांकन संख्या-12027915) द्वारा विभागीय शोध समिति के सम्मुख शोध कार्य का प्रस्तुतिकरण किया गया।
- माह सितंबर, 2017 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त वर्ष 2017-18 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये। **विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है (संलग्नक-घ)।**

****